Dainik Bhaskar (Indore), 27th October 2016, City Bhaskar, Page – 01

प्रोजेक्ट ज्ञान के तहत स्टेट और सेंट्रल यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को मिल सकेगा इसका फायदा

अब पूरा सेमेस्टर पढ़ा सकेगी विदेशी फैकल्टी

EDU UPDATE

सिटी रिपोर्टर • आईआईटी समेत सेंट्रल यूनिवर्सिटीज और स्टेट यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स को अब विदेशी एक्सपर्ट्स से महज कुछ हफ्तों की बजाय पूरा एक सेमेस्टर पढ़ने का मौका मिल सकेगा। इसके लिए एचआरडी मिनिस्ट्री 'ज्ञान' प्रोजेक्ट के बाद अब ग्लोबल रिसर्च इंटरेक्टिव नेटवर्क (ग्रिन) प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। आईआईटी काउंसिल की मंजूरी मिल गई है और फाइनेंस मिनिस्ट्री के अप्रूवल के बाद इसे लागू किया जाएगा।

एचआरडी मिनिस्ट्री के अधिकारी के मुताबिक प्रोजेक्ट 'ज्ञान' के तहत फॉरेन फैकल्टी न सिर्फ आईआईटी, आईआईएम जैसे इंस्टिट्यूट में आ रही है, बल्कि अलग-अलग राज्यों के दूर दराज के कॉलेजों में भी पहुंच रही है। अब तक देश के अलग-अलग इंस्टीट्यूट में फॉरेन फैकल्टी 150 से ज्यादा कोर्स पढ़ा चुकी हैं। वे स्टूडेंट्स जो विदेश नहीं जा पाते, उन्हें भी फॉरेन फैकल्टी से पढ़ने का मौका देने और स्टूडेंट्स को ज्यादा एक्सपोजर देने के लिए यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

सिर्फ शॉर्ट टर्म के लिए

देश का कोई भी इंस्टीट्यूट फॉरेन फैकल्टी के साथ टाईअप कर उन्हें 1 या 2 क्रेडिट कोर्स के लिए बुला सकता है। ये कोर्स एक या दो हफ्ते के हैं। इंस्टीट्यूट नोडल एजेंसी के पास प्रपोजल भेजते हैं और एक कमेटी इसे अप्रूव करती है। इसका सारा खर्च एचआरडी मिनिस्ट्री उठा रही है।